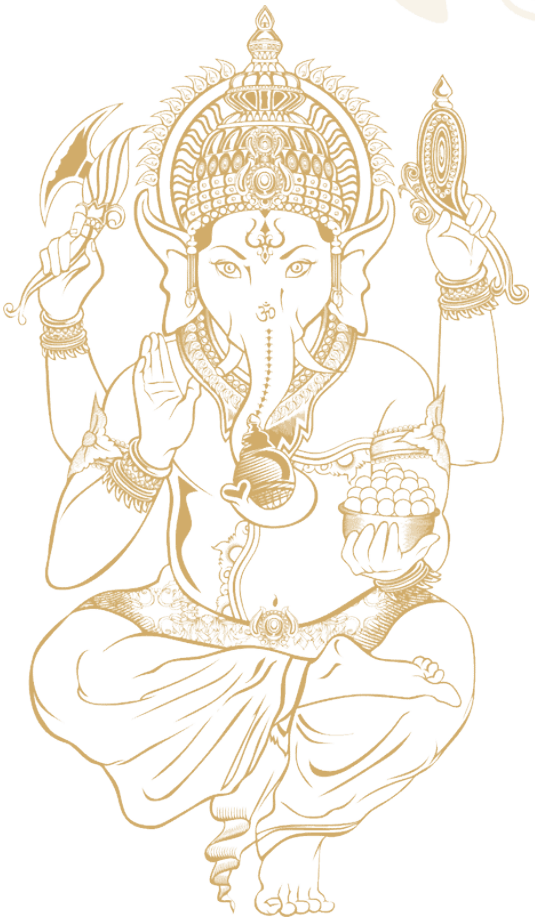

09 Feb 1999

05:45 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121121605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	27:48:14 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:48:32 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:08 घंटे
सूर्योदय	06:37:42 घंटे
सूर्यास्त	17:43:57 घंटे
दिनमान	11:06:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:26:52 मकर
लग्न के अंश	27:29:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:29:16	313:31:07	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मक	26:26:52	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	07:27:28	11:55:32	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल			तुला	11:23:49	00:20:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	00:28:07	01:48:07	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	05:23:21	00:12:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	20:52:18	01:14:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	04:29:39	00:04:19	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:18:37	00:00:09	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:18:37	00:00:09	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:21:07	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:41:41	00:02:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:21:17	00:01:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	24:53:45	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:31

लग्न-चलित

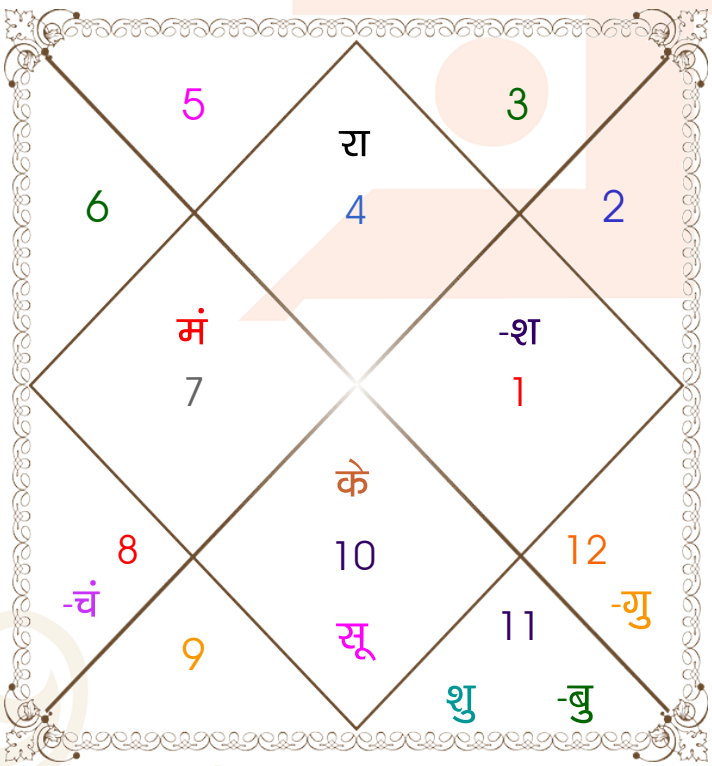

चन्द्र कुंडली

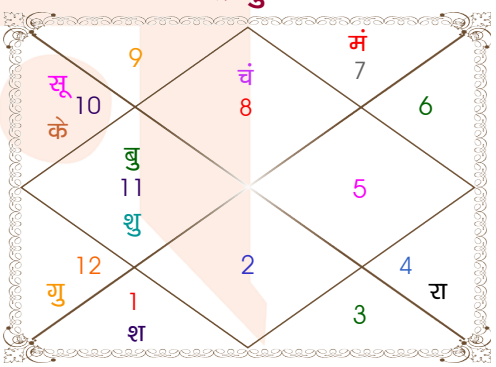

नवमांश कुंडली

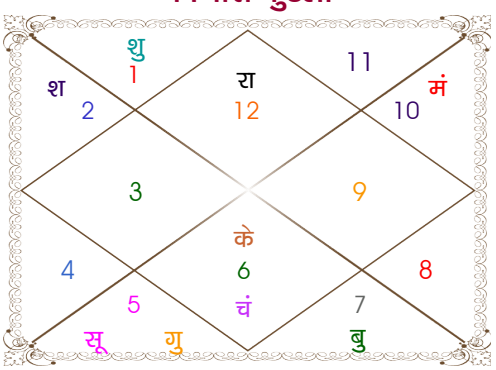

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 1 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/02/1999		25/03/2012		26/03/2029		25/03/2036		25/03/2056	
25/03/2012		26/03/2029		25/03/2036		25/03/2056		26/03/2062	
	00/00/0000	बुध	22/08/2014	केतु	22/08/2029	शुक्र	26/07/2039	सूर्य	13/07/2056
	09/02/1999	केतु	19/08/2015	शुक्र	22/10/2030	सूर्य	25/07/2040	चंद्र	11/01/2057
केतु	15/01/2000	शुक्र	19/06/2018	सूर्य	27/02/2031	चंद्र	26/03/2042	मंगल	19/05/2057
शुक्र	17/03/2003	सूर्य	25/04/2019	चंद्र	28/09/2031	मंगल	26/05/2043	राहु	13/04/2058
सूर्य	27/02/2004	चंद्र	24/09/2020	मंगल	24/02/2032	राहु	26/05/2046	गुरु	30/01/2059
चंद्र	27/09/2005	मंगल	21/09/2021	राहु	13/03/2033	गुरु	24/01/2049	शनि	12/01/2060
मंगल	06/11/2006	राहु	09/04/2024	गुरु	17/02/2034	शनि	25/03/2052	बुध	18/11/2060
राहु	12/09/2009	गुरु	16/07/2026	शनि	29/03/2035	बुध	24/01/2055	केतु	26/03/2061
गुरु	25/03/2012	शनि	26/03/2029	बुध	25/03/2036	केतु	25/03/2056	शुक्र	26/03/2062

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/03/2062		25/03/2072		26/03/2079		26/03/2097		27/03/2113	
25/03/2072		26/03/2079		26/03/2097		27/03/2113		00/00/0000	
चंद्र	24/01/2063	मंगल	21/08/2072	राहु	06/12/2081	गुरु	14/05/2099	शनि	29/03/2116
मंगल	25/08/2063	राहु	09/09/2073	गुरु	01/05/2084	शनि	25/11/2101	बुध	07/12/2118
राहु	23/02/2065	गुरु	16/08/2074	शनि	08/03/2087	बुध	02/03/2104	केतु	10/02/2119
गुरु	25/06/2066	शनि	25/09/2075	बुध	24/09/2089	केतु	06/02/2105		00/00/0000
शनि	24/01/2068	बुध	21/09/2076	केतु	13/10/2090	शुक्र	08/10/2107		00/00/0000
बुध	25/06/2069	केतु	17/02/2077	शुक्र	12/10/2093	सूर्य	26/07/2108		00/00/0000
केतु	24/01/2070	शुक्र	19/04/2078	सूर्य	06/09/2094	चंद्र	25/11/2109		00/00/0000
शुक्र	25/09/2071	सूर्य	25/08/2078	चंद्र	07/03/2096	मंगल	01/11/2110		00/00/0000
सूर्य	25/03/2072	चंद्र	26/03/2079	मंगल	26/03/2097	राहु	27/03/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 1 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।